न्यायालय जिला कलक्टर एवं मजिस्ट्रेट, श्रीगंगानगर

विविध बैंक प्रकरण संख्या 191/2024(GCMS : 2024/274)

ए यू स्मॉल फाईनेंस बैंक लिमिटेड (पूर्व मं ए यू फाईनेंसर्स इण्डिया लिमिटेड के नाम से जाना जाता था) शाखा कार्यालय 4–ई–8–जवाहर नगर, प्रथम तल, मीरा चौक रोड़, नजदीक गौड़ हॉस्पीटल, श्रीगंगानगर जरिये अधिकृत हस्ताक्षरकर्त्ता पोर्टफोलियो कलैक्शन मैनेजर मनोज कुमार पुत्र श्री महावीर प्रसाद

बनाम

1. **गुरप्रीत सिंह** पुत्र श्री गुरबचन सिंह निवासी वार्ड नं. 6, हाकमाबाद, 17 केएसडी, तहसील सादुलशहर जिला श्रीगंगानगर–335062
2. **जगदीश सिंह** पुत्र श्री गुरबचन सिंह निवासी वार्ड न. 6, 1 श्रीएनडब्ल्यू, हाकमाबाद, जिला श्रीगंगानगर – 335062
3. **सतवीर कौर** पत्नी श्री गुरप्रीत सिंह निवासी वार्ड न. 6, 1 श्रीएनडब्ल्यू, हाकमाबाद, जिला श्रीगंगानगर – 335062

09.12.2024

पत्रावली पेश हुई। प्रार्थी बैंक/कम्पनी ने जरिये अधिवक्ता श्री सुरेन्द्र कुमार मेहन्दीरत्ता ने एक प्रार्थना पत्र वित्तिय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुर्नगठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 14 के अन्तर्गत प्रस्तुत किया है कि प्रार्थी बैंक/कम्पनी द्वारा अप्रार्थीगण गुरप्रीत सिंह, जगदीश सिंह एवं सतवीर कौर को ऋण सुविधा के रूप में 5.20/–लाख रूपये ऋण राशि की स्वीकृति दिनांक 30.08.2022 को प्रदान की थी। अप्रार्थीगण के खाते में दिनांक 03.04.2024 को 6,00,100/– रूपये की राशि बकाया थी। ऋण की सुरक्षा की एवज में **अप्रार्थी जगदीश सिंह एवं गुरप्रीत सिंह द्वारा बंधक रखी अपनी अचल सम्पत्ति क्रमशः पट्टा नं. 26, ग्राम पंचायत समिति सादुलशहर, श्रीगंगानगर साईज 57 गुणा 64 फीट–3648 सक्वायर फीट जिसका आसापास : पूर्व में श्रीमती शांति की सम्पत्ति, पश्चिम में सुखदेव सिंह का**

Signature Not Verified
Digitally signed by Manju
Date: 2025.07.23 15:32:31 IST
Reason: Self Attested

जिला मजिस्ट्रेट
श्रीगंगानगर

मकान, उत्तर में सड़क, दक्षिण में गुरप्रीत सिंह की सम्पत्ति है एवं पट्टा नं. 27, गांव हाकमाबाद, पंचायत समिति सादुलशहर, श्रीगंगानगर साईज 57 गुणा 64 फीट (3648 सक्वायर फीट) जिसका आसापास : पूर्व में नायब सिंह, पश्चिम में सुखदेव का मकान, उत्तर में जगदीश सिंह का मकान, दक्षिण में सड़क है, का भौतिक कब्जा प्रार्थी बैंक को पुलिस की सहायता से दिलाया जाने की प्रार्थना की है।

मैने, पत्रावली में उपलब्ध उनके प्रार्थना पत्र धारा 14, शपथ पत्र एवं अन्य उपलब्ध दस्तावेजात का भी अवलोकन किया तो पाया कि उक्त प्रार्थना पत्र के अनुसार प्रार्थी बैंक ने **अप्रार्थीगण गुरप्रीत सिंह, जगदीश सिंह एवं सतवीर कौर** को ऋण सुविधा के रूप में 5.20/— लाख रूपये **(अखरे रूपये पांच लाख बीस हजार मात्र) की स्वीकृति दिनांक 30.08.2022 को प्रदान की थी और** ऋण की सुरक्षा की एवज में अप्रार्थी जगदीश सिंह ने अपनी अचल सम्पत्ति **पट्टा नं. 26, गांव हाकमाबाद, पंचायत समिति सादुलशहर, श्रीगंगानगर साईज 57 गुणा 64 फीट (3648 सक्वायर फीट) जिसका आसापास : पूर्व में श्रीमती शांति की सम्पत्ति, पश्चिम में सुखदेव सिंह का मकान, उत्तर में सड़क, दक्षिण में गुरप्रीत सिंह की सम्पत्ति है एवं गुरप्रीत सिंह ने अपनी अचल सम्पत्ति पट्टा नं. 27, गांव हाकमाबाद, पंचायत समिति सादुलशहर, श्रीगंगानगर साईज 57 गुणा 64 फीट (3648 सक्वायर फीट) जिसका आसापास : पूर्व में नायब सिंह, पश्चिम में सुखदेव का मकान, उत्तर में जगदीश सिंह का मकान, दक्षिण में सड़क है,** प्रार्थी बैंक के पास रहन रखी। प्रार्थी बैंक के प्रार्थना पत्र धारा 14 एवं उसके समर्थन में प्रस्तुत दस्तावेजात एवं शपथ पत्र के अनुसार अप्रार्थी ऋणी का खाता दिनांक 08.11.2023 को अनर्जक परिसम्पत्ति (एन.पी.ए.) हो गया। बैंक द्वारा अप्रार्थी ऋणियों को धारा 13(2) के नोटिस रजिस्टर्ड डाक से

Signature Not Verified
Digitally signed by Manju
Date: 2025.07.23 15:32:31 IST
Reason: SelfAttested

जिला मजिस्ट्रेट
श्रीगंगानगर

भिजवाये गये थे, रजिस्टर्ड डाक से धारा 13(2) के नोटिस भिजवाने की रसीद एवं प्राप्ति के ऑनलाईन ट्रैक भी पत्रावली में उपलब्ध है, जिसके अनुसार अप्रार्थीगण को धारा 13(2) के नोटिस के प्राप्त हो गये है।

वित्तिय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुर्नगठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 14 के अन्तर्गत प्रस्तुत प्रार्थना पत्र पर कार्रवाई करने के लिए विवादग्रस्त सम्पत्ति जिसका भौतिक कब्जा चाहा जा रहा है वह सम्बन्धित जिला मजिस्ट्रेट के क्षेत्राधिकार में होना आवश्यक है और दूसरा सम्बन्धित ऋणियों पर धारा 13(2) के नोटिस की तामील ऋणियों/जमानतदारों पर विधिवत् रूप से होनी आवश्यक है।

जहां तक ऋण की एवज में **अप्रार्थी जगदीश सिंह की अचल सम्पत्ति पट्टा नं. 26, गांव हाकमाबाद, पंचायत समिति सादुलशहर, श्रीगंगानगर साईज 57 गुणा 64 फीट (3648 सक्वायर फीट) जिसका आसापास : पूर्व में श्रीमती शांति की सम्पत्ति, पश्चिम में सुखदेव सिंह का मकान, उत्तर में सड़क, दक्षिण में गुरप्रीत सिंह की सम्पत्ति है एवं गुरप्रीत सिंह की अचल सम्पत्ति पट्टा नं. 27, गांव हाकमाबाद, पंचायत समिति सादुलशहर, श्रीगंगानगर साईज 57 गुणा 64 फीट (3648 सक्वायर फीट) जिसका आसापास : पूर्व में नायब सिंह, पश्चिम में सुखदेव का मकान, उत्तर में जगदीश सिंह का मकान, दक्षिण में सड़क है,** जो प्रार्थी बैंक के पास बंधक रखी हुई है, का संबध है, वह निम्न हस्ताक्षरकर्ता के क्षेत्राधिकार जिला श्रीगंगानगर में स्थित है। इसलिए वित्तिय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुर्नगठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 14 के तहत निम्न हस्ताक्षरकर्त्ता कार्यवाई करने के लिए सक्षम है।

Signature Not Verified
Digitally signed by Manju
Date: 2025.07.23 15:32:31 IST
Reason: SelfAttested

जहां तक अप्रार्थी ऋणी पर धारा 13(2) के जारी नोटिस 03.04.2024 की तामील का प्रश्न है। प्रार्थना पत्र के अनुसार दिनांक

जिला मजिस्ट्रेट
श्रीगंगानगर

03.04.2024 को 60 दिवस में राशि जमा करवाने का धारा 13(2) के नोटिस, अ**प्रार्थीगण को रजिस्टर्ड डाक से दिनांक 05.04.2024 को भिजवाये गये थे, जिसकी रसीद पत्रावली में उपलब्ध है। धारा 13(2) के नोटिस प्राप्ति के ऑनलाईन ट्रैक भी पत्रावली में उपलब्ध है, जिसके अनुसार अप्रार्थीगण को 13(2) के नोटिस प्राप्त हो गए है, जिसके** अनुसार अप्रार्थीगण को धारा 13(2) के नोटिस की तामील होना माना जाना उचित है। इसके बावजूद भी अप्रार्थीगण ने बैंक की समस्त बकाया ऋण राशि जमा नही करवाई है **और न ही शपथ पत्र के अनुसार नोटिस पर कोई आपत्ति या अभ्यावेदन प्रस्तुत किया** है। इसलिए ऋण की सुरक्षा की एवज में ऋणियों जगदीश सिंह एवं गुरप्रीत सिंह द्वारा प्रार्थी बैंक के पास बंधक रखी गई संपतियों का भौतिक कब्जा प्रार्थी बैंक को दिलाया जाना उचित होगा।

अतः उक्त विवेचन के आधार पर प्रार्थी ए यू स्मॉल फाईनेंस बैंक लिमिटेड का उक्त प्रार्थना पत्र वित्तिय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुर्नगठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 अन्तर्गत धारा 14 **स्वीकार किया जाता है** और अप्रार्थी ऋणियों जगदीश सिंह एवं गुरप्रीत सिंह **द्वारा प्रार्थी बैंक/कम्पनी से प्राप्त ऋण की सुरक्षा की एवज में बंधक रखी गई अचल सम्पत्ति पट्टा नं. 26, गांव हाकमाबाद, पंचायत समिति सादुलशहर, श्रीगंगानगर साईज 57 गुणा 64 फीट (3648 सक्वायर फीट) जिसका आसापास : पूर्व में श्रीमती शांति की सम्पत्ति, पश्चिम में सुखदेव सिंह का मकान, उत्तर में सड़क, दक्षि[illegible]ीत सिंह की सम्पत्ति है एवं पट्टा नं. 27, गांव हाक[illegible]यत [illegible] सादुलशहर, श्रीगंगानगर साईज 57 गुणा 64 फीट (3648 सक्वाय[illegible]फीट) जिसका आसापास : पूर्व में नायब सिंह, पश्चिम में सुखदेव का मकान, उत्तर में जगदीश सिंह का**

Signature Not Verified
Digitally signed by Manju
Date: 2025.07.23 15:52:31 IST
Reason: SelfAttested

जिला मजिस्ट्रेट
श्रीगंगानगर

मकान, दक्षिण में सड़क है, का भौतिक कब्जा जरिये पुलिस की सहायता से प्रार्थी बैंक/कम्पनी को दिलाये जाने के आदेश दिये जाते है। इस आदेश की प्रति जिला पुलिस अधीक्षक श्रीगंगानगर को इस आदेश के साथ अग्रेषित की जाती है कि प्रार्थी बैंक/कम्पनी को उक्त अचल सम्पत्ति का भौतिक कब्जा दिलाने हेतु उनके चाहे अनुसार, नियमानुसार पुलिस सहायता उपलब्ध करवाई जावें। सहायता उपलब्ध करवाने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जावे कि उक्त बंधक रखी गई सम्पत्ति किसी भी न्यायालय में विवादित अथवा स्थगन से प्रभावित तो नहीं है। आदेश की प्रति प्रार्थी बैंक व जिला पुलिस अधीक्षक श्रीगंगानगर को पालनार्थ भिजवाई जावे। पत्रावली बाद तरतीब तकमील दाखिल दफ़्तर हो।

यह आदेश आज दिनांक 09.12.2024 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।

(डॉ. मन्जू)
जिला मजिस्ट्रेट
श्रीगंगानगर

Signature Not Verified

Digitally signed by Manju
Date: 2025.07.23 15:32:31 IST
Reason: SelfAttested